अधिकार

53 हेक्टेयर वन भूमि पर मिला अधिकार, अब चिरौंजी बनेगी आजीविका और वन संरक्षण का आधार

वन संसाधन पट्टे से बदलेगी आदिवासी ग्रामीणों की तकदीर

नवभारत, बैहर। वर्षों से जिन जंगलों को अपनी विरासत मानकर आदिवासी ग्रामीण उनकी रक्षा करते रहे, अब उन्हीं जंगलों पर उन्हें वैधानिक अधिकार भी प्राप्त हो गया है। बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के तीन ग्रामों—सुंदरवाही, झकोरदा और लातरी की वन अधिकार समितियों को सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) पट्टा मिलने से ग्रामीणों के जीवन में आर्थिक और सामाजिक बदलाव की नई उम्मीद जगी है।

जिला स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा दावा मान्य किए जाने के बाद कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 19 जून को ग्रामों की वन अधिकार समितियों को लगभग 53 हेक्टेयर वन भूमि का सामुदायिक वन संसाधन पट्टा प्रदान किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर भी उपस्थित रहीं।

ग्राम सुंदरवाही की वन अधिकार समिति को 35 हेक्टेयर, झकोरदा समिति को 16 हेक्टेयर तथा लातरी समिति को 1.20 हेक्टेयर वन भूमि का सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्रदान किया गया। पट्टा प्राप्त करने वालों में डाबरी समिति के नंदलाल वल्के एवं देवीलाल तेकाम, झकोरदा समिति के डुलीचंद मर्सकोले तथा लातरी समिति के सकलूसिंह तिलगाम शामिल रहे।

वन संसाधन पट्टा प्राप्त करने के बाद ग्रामीणों के चेहरे पर संतोष और उत्साह साफ दिखाई दिया। उनका कहना है कि उन्हें जिस वन क्षेत्र का अधिकार मिला है, वहां बड़ी संख्या में चिरौंजी के पेड़ मौजूद हैं। वर्षों से ग्रामीण चिरौंजी के बीज एकत्र कर अपनी आजीविका चलाते रहे हैं, लेकिन कई बार वन क्षेत्र में संग्रहण के दौरान उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

अब सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मिलने के बाद ग्रामीण बिना किसी भय के वन उपज का संग्रहण कर सकेंगे। ग्रामीणों के अनुसार चिरौंजी के बीज लगभग 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक जाते हैं, जबकि बीज से निकाली गई गिरी 3 से 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक के मूल्य पर बाजार में बिकती है।

ग्राम डाबरी और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 150 परिवार प्रतिवर्ष चिरौंजी संग्रहण और प्रसंस्करण के कार्य से जुड़े हुए हैं। इससे प्रत्येक परिवार को 40 से 60 हजार रुपये तक की शुद्ध आय प्राप्त होती है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदूपत्ता, महुआ एवं अन्य वनोपजों की तुलना में चिरौंजी से कहीं अधिक आय प्राप्त होती है।

आदिवासी समाज में चिरौंजी केवल एक वन उपज नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा का भी हिस्सा है। जनजातीय समुदाय में विवाह मंडप चिरौंजी की लकड़ी से बनाने की परंपरा है। मान्यता है कि जिस प्रकार चिरौंजी के वृक्ष में भरपूर फल लगते हैं, उसी प्रकार उसके मंडप में विवाह करने वाले परिवार भी सुख-समृद्धि और संतान से परिपूर्ण होते हैं।

हालांकि इस परंपरा के कारण कई बार चिरौंजी के वृक्षों की कटाई भी होती रही, जिससे उनकी संख्या में कमी आने लगी। अब वन संसाधन अधिकार मिलने के बाद ग्रामीण स्वयं इन पेड़ों के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

पट्टा वितरण के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि चिरौंजी के पौधों की संख्या बढ़ाने के लिए शासन स्तर पर विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा, ताकि वन क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधारोपण किया जा सके।

ग्राम पंचायत डाबरी के सचिव श्री छत्तर सिंह मरावी ने बताया कि सामान्यत: चिरौंजी का पौधा 6 से 7 वर्ष में फल देना शुरू करता है। यदि किसानों और वन समितियों को उन्नत एवं हाईब्रिड प्रजाति के पौधे उपलब्ध कराए जाएं, तो कम समय में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

यह पहल केवल भूमि पर अधिकार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि आदिवासी समुदाय को उनके पारंपरिक संसाधनों का संरक्षक और भागीदार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वनों के संरक्षण और ग्रामीणों की समृद्धि का यह मॉडल आने वाले समय में क्षेत्र के सतत विकास की नई मिसाल बन सकता है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र से विकास की ओर

इन ग्रामों की एक विशेष पहचान यह भी रही है कि वे कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाने जाते थे। लेकिन अब यह क्षेत्र नक्सल गतिविधियों से मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ रहा है। सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मिलने से यहां के लोगों को रोजगार, आजीविका और आत्मनिर्भरता के नए अवसर प्राप्त होंगे।

प्राकृतिक खेती कार्यशाला में पूर्व मंत्री जायसवाल ने शामिल होकर प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने का किया कार्य

पांच विकासखंडों के किसान कृषि महाविद्यालय मुरझड की कार्यशाला में हुये शामिल

नवभारत, वारासिवनी। राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड वारासिवनी में प्राकृतिक खेती कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने शामिल होकर प्राक्रतिक खेती को प्रोत्साहित करने का कार्य किया। इस अवसर पर उन्होने किसानों की आय बढ़ाना, खेती की लागत को कम करना और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता खत्म करने जैसे विषयों में क्षेत्र के किसानों को जागरूक भी किया।

कृषि विभाग की दो दिवसीय कार्यशाला में प्रथम दिवस मुरझड़ में कार्यशाला के लक्ष्यों को बताते हुए प्रदीप जायसवाल ने कहा की किसानों को देशी संसाधनों (जैसे गोबर, गौमूत्र) और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का तरीका सिखाना और उन्हें स्वास्थ्यवर्धक एवं विषमुक्त फसलें उगाने के लिए प्रशिक्षित करना भी है।

इसी तरह पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मंत्रित्व काल में चिन्नौर चावल को मिले जीआई टैग के बाद आज कृषि वैज्ञानिकों ने चीन्नौर चावल की नयी प्रजाति की जानकारी देकर गुड्डा भैया से मिलने के लिए समय भी मांगा है। साथ ही उद्बोधन में गुड्डा भैया ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया की किसान सम्मान निधि,जीरो प्रतिशत ब्याज आदि योजनाओं के साथ अब भाजपा सरकार अन्य नयी बढ़ी योजनाओं का लाभ देकर खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने भी जा रही है।

किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे ने विस्तार से प्राकृतिक खेती के बारे में प्रशिक्षित करते हुये कहा की प्राकृतक खेती प्रकृति में पाए जाने वाले अवशेष से हम खेती करे और लागत को कम करे।

लालबर्रा महाविद्यालय में प्राकृतिक खेती एवं जैविक कृषि पर विशेष व्याख्यान आयोजित

बालाघाट। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में शुक्रवार को प्राकृतिक खेती एवं जैविक कृषि विषय पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुलना स्टेडियम में होगा जिला स्तरीय आयोजन

बालाघाट। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को बालाघाट के मुलना स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग) निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं तथा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

बालाघाट में वार्षिक सारस पक्षी गणना सम्पन्न

संरक्षण के लिए जुटे वन विभाग और स्थानीय नागरिक

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली वार्षिक सारस पक्षी गणना इस वर्ष भी 19 जून को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के साथ-साथ महाराष्ट्र के गोंदिया एवं भंडारा जिलों में भी समन्वित रूप से सारस पक्षियों की गणना की जाती है, क्योंकि इन क्षेत्रों में सारस पक्षियों की उल्लेखनीय उपस्थिति पाई जाती है।

सारस पक्षी गणना एवं संरक्षण से संबंधित गतिविधियां वन विभाग, सेवा संस्था और बालाघाट टूरिज्म के संयुक्त तत्वावधान में संचालित की जाती हैं। इस अभियान में स्थानीय सारस मित्रों, स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं और किसानों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे सारस संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों के संवर्धन को प्रभावी समर्थन मिल रहा है।

गणना के प्रारंभिक आंकड़ों के बाद 20 से 25 जून तक चयनित क्षेत्रों में पुन: रैकी एवं सत्यापन सर्वेक्षण किया जाएगा। यह सर्वे उन स्थानों पर किया जाएगा जहां गणना के दौरान सारस पक्षी दिखाई नहीं दिए या जहां विभिन्न टीमों द्वारा दर्ज संख्या में ओवरलैपिंग की संभावना है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य सारस पक्षियों की वास्तविक एवं सटीक संख्या का वैज्ञानिक सत्यापन करना है।

यह गणना सेवा संस्था, बालाघाट वन वृत्त, दक्षिण एवं उत्तर बालाघाट वनमंडल, गोंदिया वन विभाग, स्थानीय सारस मित्रों, स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं और किसानों के संयुक्त सहयोग से सम्पन्न हुई। बालाघाट जिले में यह अभियान बालाघाट वन वृत्त के अंतर्गत दक्षिण एवं उत्तर बालाघाट वनमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया गया।

अभियान का संचालन मुख्य वन संरक्षक श्री सौरभ चौधरी, दक्षिण बालाघाट वनमंडल के वनमंडलाधिकारी श्री नित्यानंद एल., सेवा संस्था के अध्यक्ष श्री सावन बहेकार तथा श्री अविजीत परिहार के मार्गदर्शन में किया गया।

सारस पक्षी गणना के माध्यम से उनकी वास्तविक संख्या, प्राकृतिक आवास, प्रजनन स्थलों और संरक्षण संबंधी आवश्यक वैज्ञानिक जानकारी एकत्रित की जाती है। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सारस संरक्षण के लिए प्रभावी कार्ययोजनाएं तैयार करने में सहायता मिलती है।

इसी क्रम में 20 जून को महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में भी वार्षिक सारस पक्षी गणना आयोजित की जाएगी, जिसमें गोंदिया वन विभाग, सेवा संस्था, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय सारस मित्र भाग लेंगे।

इस वार्षिक अभियान का मुख्य उद्देश्य सारस पक्षियों के संरक्षण के प्रति जनसहभागिता को बढ़ावा देना, उनके प्राकृतिक आवासों का संरक्षण करना तथा वैज्ञानिक आंकड़ों का संकलन करना है। इस पहल से न केवल सारस संरक्षण को मजबूती मिल रही है, बल्कि स्थानीय नागरिकों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता भी लगातार बढ़ रही है।

धड़ल्ले से जारी अवैध रेत परिवहन, आरक्षक के साथ हुई घटना पर भी नहीं मिला सबक

नवभारत, लालबर्रा। लालबर्रा में बेखौफ रेत चोरी धड़ल्ले से जारी है कानून से बेखौफ ऐसे चोर जो सरेआम चोरी कर रहे है शाम ढ़लते ही रेत के काले कारोबार में शामिल यह चोरी प्रशासन की नाक के नीचे हो रही है।

लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत तहसील कार्यालय के पास मानपुर, पनबिहरी, अमोली सहित कई हिस्सों में लगातार ट्रेक्टर के माध्यम से अवैध रेत खनन का कारोबार संचालित हो रहा है जहां सूरज ढलते ही रेत चोरों की गतिविधियां सर्राटी नदी के घाटों पर तेज हो जाती हैं और पूरी रात ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत का परिवहन किया जाता है. यह अवैध रेत उत्खनन व परिवहन का काम खुलेआम हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कारोबारी अपनी मनमानी कर रहे हैं वहीं कभी थाने में और तहसील में रुपए लगने के नाम पर जरुरतमंदों से प्रति ट्रेक्टर रेत का अनाप-शनाप रुपया भी वसूल कर रहे हैं जिससे जिम्मेदार स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा दिखाई देता प्रतीत हो रहा है। प्रश्नचिन्ह भी क्यूं नहीं यह सवाल उठना लाजमी है कि चोरी तो आखिर चोरी ही है चाहे शासकीय संपत्ति की हो या निजी क्यूंकि लालबर्रा मुख्यालय के अंदर ही पूरी रात अवैध रेत की चोरी हो रही है और कानून के लंबे हाथ इन चोरों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर उठाए सवाल

इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. जबकि लालबर्रा अंतर्गत हाल ही में अवैध खनन से जुड़े मामलों के बीच लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कामथी ग्राम में हत्या का प्रयास जैसी गंभीर घटना सामने आ चुकी हैं.और आरक्षक अभी भी मौत और जिन्दगी के बीच झूल रहा है इसके बावजूद प्रशासन इससे सबक लेकर अवैध रेत उत्खनन पर रोक नहीं लगा पा रहा है ।

थाना हट्टा पुलिस ने 72 घंटे में किया अंधे कत्ल का खुलासा

छोटा भाई ही निकाला बड़े भाई का हत्यारा

नवभारत, हट्टा। 16 जून को सुबह के समय भाना हट्टा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि सेनानी चौक स्थित घर के आंगन में जमीन पर बिछी दूरी पर कुलदीप उदयपुरे मृत अवस्था में लेटा है उसकी गर्दन पर तार या रस्सी के कसे जाने के निशान है। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री आदित्य मिश्रा द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री निहित उपाध्याय तथा अनुविभागीय अधिकारी (लांजी) श्रीमती प्रतीक्षा राठौर को मामले का सुपरविजन कर तत्काल खुलासा करने के संबंध में दिये निर्देश। थाना हट्टा पुलिस द्वारा अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री निहित उपाध्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी (लांजी) श्रीमती प्रतीक्षा राठौर के मार्गदर्शन में मृतक के भाई बहन तथा भांजी व पास पड़ोसियों से विस्तृत पूछताछ की। पूछताछ के दौरान बड़े भाई तथा छोटे भाई के बीच छोटे छोटी बातों पर हो रहे विवाद का हुआ खुलासा । बड़े भाई एवं छोटे भाई में रोज रोज हो रहे विवाद से परेशान होकर छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या। हट्टा पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशादेही पर घटना में प्रयुक्त नारियल की रस्सी को उसके घर से किया जप्त ।

दिनांक 16/06/2026 को प्रार्थी सुशील पिता स्व गेंदलाल सोनी 45 साल सेनानी चौक हट्टा द्वारा थाने में उपस्थित आकर सूचना दी कि आज दिनांक 16:06 2026 के सुबह 05.30 बजे की बात है मैं घर पर था तभी मुझे भांजी का फोन आया और बताई मामा कुलदीप उदयपुरे की मृत्यु हो गई है। तब में तुरंत कुलदीप उदयपुरे के घर गया जहाँ दो चार लोग थे। मैंने देखा तो कुलदीप उदयपुरे की मृत्यु हो गई थी। तब कृष्णकिशोर उदयपुरे ने बताया कि भैया कुलदीप रोज रात 10:00 से 11.00 बजे घर आते थे खाना खाकर बाहर जमीन पर सो जाता था। आज सुबह 05.30 बजे मैंने और दीदी बाहर जाकर देखे तो भैया कुलदीप उदयपुरे की मृत्यु हो गई और उनके गले में चारों तरफ काला निशान था। काका भाई कुलदीप की मृत्यु कैसे हुई मुझे कोई जानकारी नहीं है रिपोर्ट करता हूँ कार्यवाही की जावे।

मैं जहर खा रही हूं, तुम बच्चों को संभाल लेना

नवभारत, जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत सदर में पारिवारिक विवाद और झूठे आरोपों से क्षुब्ध होकर महिला ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। यह आत्महत्घाती कदम उठाने के पहले मृतिका ने पति को फोन कर कहा कि चाची और चचेरी बहन उस पर गलत और मनगढ़ंत इल्जाम लगा रही हैं मैं जहर खा लूंगी, तुम बच्चों को संभाल लेना। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सदर कैंट एपीएन स्कूल के सामने निवासी जावेद घोषी (40) जीसीएफ फैक्ट्री में कार्यरत हैं। जब वह फैक्ट्री में ड्यूटी पर थे, तब उनकी पत्नी शमा परवीन (35) ने उन्हें फोन किया। शमा ने रोते हुए बताया कि चाची नजमा और चचेरी बहन अमरीन उस पर गलत और मनगढ़ंत इल्जाम लगा रही हैं। शमा ने अत्यंत हताशा में कहा, मैं जहर खा लूंगी, तुम बच्चों को संभाल लेना और जल्दी घर आ जाओ। पत्नी की यह बात सुनकर जावेद घबरा गए और आनन-फानन में अपने घर पहुंचे। घर पर शमा मौजूद नहीं थी। इसी बीच जावेद के छोटे भाई शाहिद ने फोन कर सूचना दी कि भाभी शमा ने जहर खा लिया है और उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया है। जावेद तुरंत विक्टोरिया अस्पताल पहुंचे, जहां शमा की बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल रेफर कर दिया। निजी अस्पताल में शमा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतका के पति जावेद घोषी के बयानों के आधार पर मर्ग दर्ज कर लिया है। पुलिस अब उन आरोपों की जांच कर रही है, जिनके कारण महिला को यह आत्मघाती कदम उठाना पड़ा।

स्वच्छ पेयजल

पानी की तलाश में बीतता था दिन, अब हर घर में बह रही है खुशहाली की धारा

जल जीवन मिशन बना वरदान : ग्राम कनारी में घर-घर पहुंचा स्वच्छ पेयजल

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में स्थित ग्राम कनारी, ग्राम पंचायत फतेहपुर माल, विकासखंड परसवाड़ा का नाम आज ग्रामीण विकास और जल प्रबंधन की एक प्रेरणादायक मिसाल के रूप में लिया जा रहा है। जिला मुख्यालय से लगभग 83 किलोमीटर दूर स्थित यह गांव कभी पेयजल संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहा था। ग्रामीणों का जीवन पानी की तलाश और उसकी व्यवस्था में ही बीत जाता था।

ग्राम के अधिकांश परिवार कृषि एवं मजदूरी पर निर्भर हैं। वर्षों तक यहां की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पेयजल के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता था। गांव में पर्याप्त जल स्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग कुओं, हैंडपम्पों और मौसमी जल स्रोतों पर निर्भर थे। प्रतिदिन कई किलोमीटर दूर से पानी लाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी।

पानी की कमी का सीधा प्रभाव ग्रामीणों के स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका पर पड़ रहा था। बच्चों को पढ़ाई छोड़कर पानी लाने में परिवार का सहयोग करना पड़ता था, वहीं दूषित जल के उपयोग से जलजनित बीमारियां भी फैलती थीं। समय, श्रम और संसाधनों की इस निरंतर बर्बादी ने ग्रामीण जीवन को कठिन बना दिया था। ऐसे समय में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ग्राम कनारी के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट द्वारा गांव में 20.38 लाख रुपये की लागत से नल-जल प्रदाय योजना का कार्य 11 सितम्बर 2023 को प्रारंभ किया गया। योजना के अंतर्गत आवश्यक जल संरचनाओं का निर्माण किया गया तथा 54 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए, जिससे प्रत्येक परिवार को घर पर ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होने लगा। योजना के पूर्ण होने के बाद ग्राम कनारी में एक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला। अब ग्रामीणों को पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। घर-घर नल से जल पहुंचने के कारण महिलाओं का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। वे अब अपने परिवार, बच्चों की देखभाल तथा अन्य उत्पादक कार्यों में अधिक समय दे पा रही हैं।

बच्चों के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। पहले जहां उन्हें पानी लाने में समय देना पड़ता था, वहीं अब वे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से गांव में जलजनित बीमारियों में कमी आई है तथा लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। आज ग्राम कनारी के लोगों के चेहरों पर संतोष और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। जल जीवन मिशन ने केवल पानी की समस्या का समाधान नहीं किया, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, स्वास्थ्य सुधारने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्रदान किया है। यह योजना ग्रामीण विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में एक सफल एवं अनुकरणीय उदाहरण बन चुकी है।

नीट परीक्षा की तैयारी के लिए कलेक्टर ने ली परीक्षा केन्द्राध्यक्षों की बैठक

21 जून को जिले में 8 केन्द्रों पर होगी नीट परीक्षा, 3112 परीक्षार्थी होंगे शामिल

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में 21 जून 2026 को नीट प्रवेश परीक्षा का आयोजन 08 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। इस परीक्षा में कुल 3112 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक आयोजित की जाएगी, जबकि सभी परीक्षार्थियों को प्रात: 11 बजे तक अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। परीक्षा रविवार, 21 जून 2026 को दोपहर 2 बजे से 5:15 बजे तक होगी। परीक्षा की समयावधि 3 घंटे 15 मिनट (कुल 195 मिनट) की है। परीक्षा का मोड पेन एवं पेपर रहेगा। जिले में इस परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन एवं आवश्यक तैयारियों के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 19 जून को केन्द्रीय विद्यालय भरवेली में सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, अपर कलेक ?टर श्री जी एस धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय, संयुक्त कलेक्टर एवं नीट परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी श्री राहुल नायक, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक तिवारी, केन्द्रीय विद्यालय भरवेली के प्राचार्य एवं एनटीए के नीट परीक्षा के लिए सिटी नोडल अधिकारी श्री अरूण तुमसरे, सभी 08 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं विद्युत मंडल के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों से कहा कि 21 जून को एनटीए के निर्देशों के अनुरूप नीट परीक्षा का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करना है। यह परीक्षा अच्छे से सम्पन्न कराना है और इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं होना चाहिए। इसके लिए सभी केन्द्रों पर 19 जून तक सीसीटीव्ही कैमरे, फ्रिस्किंग, बायोमेट्रिक सत्यापन मशीन एवं जैमर लग जाना चाहिए। इसके साथ ही सभी केन्द्रों पर वीडियोग्राफी एवं जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाये। परीक्षा कक्ष में उचित प्रकाश व्यवस्था तथा पंखे चालू अवस्था में होने चाहिए। परीक्षा केंद्रों में सभी विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था रखने कहा गया।

इस दौरान बताया गया कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के कंट्रोल रूम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ओआरएस और ग्लूकोज़ की व्यवस्था एवं प्राथमिक उपचार किट के साथ मौजूद रहेगी। कन्या बुढ़ी हायर सेकेंडरी स्कूल एवं कन्या महाविद्यालय के परीक्षा केन्द्रों पर पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) परीक्षार्थी भी शामिल हो रहे हैं। अत: ऐसे परीक्षार्थियों के लिए एनएटी के निर्देशों के अनुरूप व्येवस्थाा करने के निर्देश दिये गये। कलेक ?टर श्री मीना ने सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा केंद्र के पास विद्यार्थियों के साथ आने वाले परिजनों, अभिभावकों एवं संरक्षकों के लिए पर्याप्त आकार का टेंट और मोबाइल व शौचालय रखने के निर्देश दिये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम रहेंगें। परीक्षा केन्द्र में आईडेंटीटी कार्ड के बगैर किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्र में एनएटी के निर्देशों के अनुरूप जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश करने दिया जायेगा। निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा। सभी परीक्षा केन्द्रों के मुख्य गेट पर समय बताने के लिए बड़े आकार की घड़ी भी लगाई जा रही है। परीक्षा केन्द्र तक गोपनीय सामग्री लाने वाले वाहन में परीक्षा केन्द्राध्यक्ष के साथ सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ के जवान रहेंगें। इस वाहन के साथ एक अन्य वाहन में त ?हसीलदार के साथ सुरक्षा के लिए जिला पुलिस का दल रहेगा।